प्रदूषण — खुले ट्रकों से उड़ रही राख, ग्रामीणों ने उठाए स्वास्थ्य और प्रदूषण के सवाल

गाडरवारा में फ्लाई ऐश परिवहन पर बवाल

नवभारत,नरसिंहपुर,गाडरवारा। क्षेत्र में फ्लाई ऐश (राख) के परिवहन को लेकर इन दिनों विवाद गहराता जा रहा है। स्थानीय ग्रामीणों और सामाजिक संगठनों ने आरोप लगाया है कि NTPC Limited ·¤è NTPC Gadarwara Super Thermal Power Station से निकलने वाली फ्लाई ऐश का परिवहन कई बार बिना ढंके ट्रकों में किया जा रहा है, ओर आस पास सड़कों के किनारे ही डंप कर दिया जाता है जिससे मार्ग में धूल का गुबार उड़ रहा है राहगीरों को सांस लेने में बाधा जैसी समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है और आसपास के गांव प्रभावित हो रहे हैं।

खुले ट्रकों से फैल रहा प्रदूषण

ग्रामीणों का कहना है कि कई ट्रकों में फ्लाई ऐश को बिना तिरपाल ढंके ले जाया जाता है। चलते वाहनों से राख उड़कर सड़क किनारे खेतों और घरों तक पहुंच रही है। इससे न केवल सड़क गंदी हो रही है, बल्कि सांस और एलर्जी जैसी बीमारियों का खतरा भी बढ़ रहा है।

स्वास्थ्य पर असर की आशंका

स्थानीय निवासियों ने बताया कि बच्चों और बुजुर्गों में खांसी, आंखों में जलन और सांस लेने में तकलीफ की शिकायतें बढ़ रही हैं। ग्रामीणों का आरोप है कि संबंधित विभागों को कई बार शिकायत की गई, लेकिन अब तक कोई ठोस कार्रवाई नजर नहीं आई। नियम क्या कहते हैं पर्यावरण नियमों के अनुसार फ्लाई ऐश का परिवहन पूरी तरह ढंके वाहनों में किया जाना चाहिए। साथ ही परिवहन मार्गों पर नियमित पानी का छिड़काव और सफाई की व्यवस्था अनिवार्य है, ताकि प्रदूषण न फैले। ग्रामीणों की मांग, सभी ट्रकों में तिरपाल अनिवार्य किया जाए। प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड द्वारा तत्काल निरीक्षण हो। नियमों का उल्लंघन करने वालों पर जुर्माना और सख्त कार्रवाई हो। प्रभावित गांवों में स्वास्थ्य शिविर लगाए जाएं।

हवा में झूलती क्रेन और धूल से राहगीर हलाकान

नवभारत,गोटेगांव। गोटेगांव से नरसिंहपुर मार्ग पर शेर नदी के समीप निर्माणाधीन नए पुल का कार्य राहगीरों के लिए बड़ी मुसीबत बन गया है। निर्माण स्थल पर सुरक्षा नियमों को पूरी तरह ताक पर रख दिया गया है। आलम यह है कि भारी भरकम क्रन के माध्यम से लोहे और सीमेंट का सामान हवा में लटकाकर एक ओर से दूसरी ओर ले जाया जा रहा है, और ठीक उसी के नीचे से लोग अपनी जान जोखिम में डालकर निकलने को मजबूर हैं। यदि क्रेन से सामान गिरता है, तो किसी बड़ी अनहोनी से इनकार नहीं किया जा सकता। हैरानी की बात तो यह है कि जहां इतना जोखिम भरा कार्य चल रहा है, वहां न तो यातायात रोकने के लिए बैरिकेड लगाए गए हैं और न ही चेतावनी बोर्ड प्रदर्शित किए गए हैं। इसके अतिरिक्त, पुल के समीप बनाए गए अस्थाई डायवर्सन मार्ग पर ठेकेदार द्वारा डाली गई पीली मिट्टी भारी परेशानी का सबब बनी हुई है। जब भी वहां से कोई बस या ट्रक गुजरता है, तो इतनी धूल उड़ती है कि पीछे आ रहे दुपहिया वाहन चालकों को कुछ भी दिखाई नहीं देता। इस धूल और मिट्टी के कारण लोग फिसलकर चोटिल हो रहे हैं और राहगीरों को सांस लेने में भी कठिनाई हो रही है। स्थानीय नागरिकों ने प्रशासन से मांग की है।

बदहाल व्यवस्थाओं के बीच भविष्य गढ़ने को मजबूर छात्र

नवभारत,गोटेगांव। गोटेगांव का शासकीय ठाकुर निरंजन सिंह महाविद्यालय इन दिनों अपनी बदहाली और प्रशासनिक अनदेखी के कारण चर्चा में है। महाविद्यालय का भवन निर्माण के समय बरती गई लापरवाही की भेंट चढ़ चुका है, जिसके कारण दीवारों से ईंटें झड़ने लगी हैं और छतों का प्लास्टर गिरना आम बात हो गई है। जर्जर भवन के साये में बैठकर पढ़ाई करने वाले छात्र-छात्राओं के बीच हमेशा किसी अनहोनी का भय बना रहता है। हैरानी की बात यह है कि कम समय में ही इमारत की ऐसी खस्ताहाल स्थिति महाविद्यालय के निर्माण कार्य पर गंभीर सवाल खड़े कर रही है। महाविद्यालय परिसर में शैक्षणिक वातावरण के साथ-साथ सफाई व्यवस्था भी पूरी तरह चौपट हो चुकी है। कॉलेज के शौचालयों की स्थिति बेहद दयनीय है, जहाँ

गंदगी का अंबार लगा हुआ है। नियमित साफ-सफाई न होने के कारण यहाँ दुर्गंध और संक्रमण फैलने का खतरा बढ़ गया है, जिससे छात्र-छात्राओं के स्वास्थ्य पर विपरीत असर पड़ रहा है। विशेष रूप से छात्राओं को इस अव्यवस्था के कारण भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। महाविद्यालय की शैक्षणिक व्यवस्थाओं में गिरावट का एक बड़ा कारण स्टाफ का समय पर उपस्थित न होना भी माना जा रहा है। जानकारी के अनुसार, कॉलेज का अधिकांश शैक्षणिक स्टाफ जबलपुर से आना-जाना (अप-डाउन) करता है। इसके चलते शिक्षकों का छात्रों के साथ निरंतर संवाद नहीं हो पाता और पढ़ाई की गंभीरता भी प्रभावित हो रही है। समय की कमी और भागदौड़ के कारण शिक्षा की गुणवत्ता गिरती जा रही है, जिससे विद्यार्थियों का भविष्य अधर में नजर आ रहा है।

जर्जर रास्ते और लंबी दूरी की मार झेल रहे चंडाल डुंगरिया के ग्रामीण

नवभारत,गोटेगांव। तहसील क्षेत्र के अंतर्गत आने वाली ग्राम पंचायत चंडाल डुंगरिया के नागरिकों को आवागमन में भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। धवई गांव के पास से इस पंचायत तक पहुंचने के लिए कोई भी ऐसा रास्ता उपलब्ध नहीं है जिसे पूरी तरह सुरक्षित कहा जा सके। वर्तमान में इस गांव के लोगों को गोटेगांव पहुंचने के लिए लंबा चक्कर काटकर बरहटा की ओर से होकर आना पड़ता है। उल्लेखनीय है कि धवई के पास से जो कच्चा रास्ता जंगल से होकर गुजरता है, वह बारिश के मौसम में पूरी तरह जर्जर और कीचड़युक्त हो जाता है। मानसून बीत जाने के बाद भी इस अस्त-व्यस्त हो चुके वन मार्ग को सुधारने की दिशा में अब तक कोई ठोस कदम नहीं उठाए गए हैं। उबड़-खाबड़ और पथरीले हो चुके इस रास्ते पर सफर करना ग्रामीणों के लिए जोखिम भरा साबित हो रहा है। प्रशासन और संबंधित विभाग की अनदेखी के चलते ग्रामवासियों को धवई गांव से गोटेगांव आने-जाने में भारी किल्लत झेलनी पड़ रही है।

भाजपा नगर मंडल का जारी, राशि संचय अभियान

करेली। भारतीय जनता पार्टी के जिलाध्यक्ष रामस्नेही पाठक के मार्गदर्शन में भारतीय जनता पार्टी के द्वारा आजीवन सहयोग निधि संचय अभियान चलाया जा रहा है जिसके अंतर्गत करेली नगर के विभिन्न स्थानों पर जाकर कार्यकर्ताओं, पदाधिकारी, समाजसेवी सहयोगियों के द्वारा राशि संकलन अभियान जारी है। आजीवन निधि के करेली नगर संयोजक सौरभ जैन ने बताया कि प्रतिवर्ष भाजपा परिवार के सदस्यों द्वारा राशि एकत्रित की जाती हैं इसी राशि से सालभर भाजपा कार्यक्रमो का संचालन करती हैं। अभियान मे संचय अभियान जारी है।

रंगों-पिचकारियों की दुकानों से सज गया होली का बाजार

नवभारत,गाडरवारा। नगर में होली पर्व को लेकर रंग पिचकारी की दुकानों बाजार गुलजार हो रहा है रंगों का त्योहार होली के कुछ दिन ही बचे हुए है नगर में मुख्य बाजार में होली रौनक दिखाई देने लगी है। नगर में रंगों, पिचकारियों और अन्य आकर्षक सामानों से दुकानें सजी हुई है। बच्चे हों या बड़े, हर कोई होली की तैयारियों में जुटता दिखाई दे रहा है।

दुकानदारों ने होली के लिए खास तौर पर अलग ही प्रकार के रंग, पिचकारी गुलाल और हर्बल रंग बेचने के लिए लाये हुए है। इस वर्ष होली पर खास बात यह है कि पर्यावरण के अनुकूल और त्वचा के लिए सुरक्षित लिक्विड हर्बल रंग बिकने आयें है। साथ ही, अलग-अलग डिज़ाइनों और साइज़ की

पिचकारियां भी बाज़ारों की रौनक बढ़ा रही हैं। छोटी रंगीन पिचकारियों से लेकर बड़ी टैंक वाली पिचकारी बाजार में उपलब्ध है। होली सामग्री विक्रेता दुकानदारों ने बताया कि इस साल उन्होंने नई डिज़ाइन की पिचकारियां मंगवाई हैं जो लोगो आकर्षित कर रही है जिनमें कार्टून कैरेक्टर वाली पिचकारी इलेक्ट्रॉनिक चार्जिंग ऑटोमेटिक पिचकारी टैंकर पेटी 25 लीटर तक की बच्चों को बहुत पसंद आयेगीं। इसके साथ ही गुलाल और सूखे रंगों के भी कई शेड्स उपलब्ध हैं। टोपी, मास्क और अन्य फनी एक्सेसरीज़ भी हैं। इस वर्ष दुकानदार अच्छे व्यापार की उम्मीद लगाए हुए हैं और ग्राहकों को लुभाने के लिए कई तरह के ऑफर्स भी हैं। एस डी एम कलावती ब्यारे ने आमजनों से गौकाष्ठ (गाय के गोबर) से बनी लकड़ी से होलिका दहन करने की अपील की है। स्थानीय दयोदय पशुशाला में लगभग 500 किवंटल गौ काष्ठ से बनी लकड़ी निर्माण किया है। दयोदय पशु शाला के अध्यक्ष राजीव जैन थाला वालों जानकारी दी है कि गौ काष्ठ से बनी लकड़ी का भाव 500 प्रति किवंटल निर्धारित किया है और लकड़ी से सस्ती रहती है। यह पर्यावरण के लिए लाभदायक होती है। मूर्तिकारों द्वारा लगभग ढाई फीट की मिट्टी की होलिका बनाई गई है इनकी कीमत 500 रुपया से लेकर 700 रुपया तक आंकी जा रही है। नगर में अनेको स्थानों पर होलिका दहन किया जाता है होली समितियां अपनी-अपनी तैयारियों में जुड़ गई हैं । पुलिस प्रशासन द्वारा भी होली एवं पंचमी पर पॉइंट बनाकर अलग-अलग स्थान पुलिस बल तैनात किया जाएगा ।

उड़द की खेती से बढ़ेगा लाभ, किसानों को मिली फसल विविधिकरण की सलाह

नवभारत,गोटेगांव। कलेक्टर रजनी सिंह के निर्देश पर कृषि विभाग ने ग्राम इमलिया में किसानों को मूंग के स्थान पर उड़द की खेती के लिए प्रोत्साहित किया। उप संचालक कृषि मोरिस नाथ ने बताया कि उड़द में मूंग की तुलना में कम पानी और कम कीटनाशक की आवश्यकता होती है, जबकि उत्पादन दोगुना तक मिल सकता है। राज्य सरकार उड़द उत्पादन पर किसानों को 600 रूपये प्रति क्विंटल बोनस भी देगी। क्षेत्र के किसानों ने अनुभव साझा करते हुए उड़द को अधिक लाभदायक बताया।

एक नजर में

डॉ. राजेश साहू प्रदेश प्रभारी बने

नवभारत,तेंदूखेड़ा। विगत दिनों म प्र तैलिक साहू सभा के प्रदेश अध्यक्ष ओमप्रकाश साहू द्वारा नरसिंहपुर जिले की तेंदूखेड़ा तहसील के ग्राम काचरकोना के प्रतिष्ठित साहू परिवार के सेवा भावी डा राजेश साहू को चिकित्सा प्रकोष्ठ में प्रदेश प्रभारी नियुक्त किया गया है। इनकी नियुक्ति पर जिले के सभी स्वजातीय बंधुओं और शुभचिंतकों ने अपनी अपनी बधाईयां शुभकामनाएं प्रेषित की हैं।

सहजपुरा स्कूल परिसर में शाम ढलते ही सजती है महफिल, शराबियों का बना अड्डा

नवभारत,गोटेगांव। गोटेगांव के समीपवर्ती ग्राम पंचायत बरौदा के अंतर्गत आने वाले ग्राम सहजपुरा में शिक्षा का मंदिर अब असामाजिक तत्वों का केंद्र बनता जा रहा है। गाँव के बाहर स्थित शासकीय प्राथमिक शाला का परिसर शाम होते ही शराबियों के लिए अघोषित मयखाना बन जाता है। स्कूल का स्थान एकांत में होने के कारण शराबी इसका अनुचित लाभ उठा रहे हैं और स्कूल भवन के पीछे बने किचन शेड के फर्श पर बैठकर खुलेआम जाम छलकाते हैं। किचन शेड में बिखरी रहती हैं बोतलें, शिक्षक परेशान-स्कूल के शिक्षक ने अपनी व्यथा सुनाते हुए बताया कि शराब पीने वाले लोग उपयोग की गई सामग्री, खाली बोतलें और डिस्पोजल वहीं फर्श पर छोड़कर चले जाते हैं। शिक्षक द्वारा कई बार यहाँ साफ-सफाई करवाई गई, लेकिन अगले ही दिन स्थिति फिर वैसी ही हो जाती है। चूँकि यह स्कूल मुख्य गाँव से थोड़ा हटकर है, इसलिए सड़क से यहाँ चल रही गतिविधियाँ आसानी से दिखाई नहीं देतीं, जिसका फायदा उठाकर असामाजिक तत्व यहाँ देर रात तक जमे रहते हैं। स्कूल परिसर में इस तरह की गंदगी और अनैतिक गतिविधियों के कारण शैक्षणिक वातावरण दूषित हो रहा है और ग्रामीणों में भी भारी रोष व्याप्त है।

बाइक भिड़ंत के बाद चली गोली, युवक को गोली लगी, जिला अस्पताल से जबलपुर रेफर

नवभारत,गोटेगांव। गोटेगांव के मुंगवानी थाना क्षेत्र में बीती रात दो बाइक सवारों के बीच हुई भिड़ंत के बाद गोलीबारी की घटना सामने आई है। इस घटना में एक युवक सोहन चौहान गोटेगांव निवासी घायल हो गया, जिसे प्राथमिक उपचार के बाद जबलपुर रेफर किया गया है। पुलिस के अनुसार, बाइक की टक्कर के बाद दोनों पक्षों में कहासुनी और बहस शुरू हो गई थी। आरोप है कि इसी दौरान एक बाइक सवार राहुल सोनी ने दूसरे बाइक सवार सोहन पर गोली चला दी। गोली सोहन के दाहिने पैर में लगी, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गया। घायल युवक के साथी ने तत्काल पुलिस को सूचना दी। सूचना मिलते ही डायल 112 मौके पर पहुंची और घायल को नरसिंहपुर जिला अस्पताल पहुंचाया गया। एएसपी संदीप भूरिया ने बताया कि युवक को गोली करीब से मारी गई है। डॉक्टरों ने जिला अस्पताल में प्राथमिक उपचार के बाद सोहन की गंभीर हालत को देखते हुए उसे बेहतर इलाज के लिए जबलपुर रेफर कर दिया, पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है।

सड़कों पर बह रहा हजारों लीटर पेयजल, प्रशासन मौन

नवभारत,गोटेगांव। नगर के पटेल वार्ड स्थित नर्मदा मंदिर क्षेत्र में पिछले कई दिनों से पेयजल पाइप लाइन क्षतिग्रस्त होने के कारण रोजाना हजारों लीटर साफ पानी सड़कों पर बहकर बर्बाद हो रहा है। कॉलेज के पीछे से नर्मदा मंदिर से टाकीज की ओर जाने वाले मुख्य मार्ग पर यह लीकेज गंभीर रूप ले चुका है, जिससे जल प्रदाय के समय पूरी सड़क जलमग्न हो जाती है। नागरिकों का कहना है कि एक तरफ जहां गर्मी के दस्तक देते ही पानी की किल्लत बढ़ने लगती है, वहीं दूसरी ओर इस तरह की लापरवाही से कीमती पानी नालियों में मिल रहा है। सड़क पर लगातार हो रहे जलभराव के कारण न केवल कीचड़ की समस्या पैदा हो गई है, बल्कि फिसलन होने से दोपहिया वाहन चालकों और राहगीरों के लिए दुर्घटना भी बढ़ गया है। रहवासियों ने जिम्मेदार अधिकारियों को अवगत कराया गया है।

पार्षद संगीता शर्मा ने सरकारी अस्पताल पहुंचकर अवस्थाओं पर जताई चिंता

नवभारत,करेली। कुछ दिन से सोशल मीडिया पर चल रहा था कि करेली शासकीय सिविल अस्पताल में सोनोग्राफी नहीं हो रही है। 10 दिन बाद आने का बोलकर मरीज को लौटा दिया जाता है, इन सभी की जानकारी लेने के लिए आज महेंद्र सिंह किलेदार वार्ड की पार्षद संगीता शर्मा करेली ने शासकीय सिविल हॉस्पिटल पहुंचकर डॉक्टर कंपाउंडर से मिलकर जानकारी ली जिसमें पता चला है कि सोनोग्राफी स्पेशलिस्ट अस्पताल में नहीं है, सिर्फ गर्भवती महिलाओं की सोनोग्राफी तान्या मैडम अंजू मैडम द्वारा सुबह 9ः00 बजे से दोपहर 2ः00 तक की जाती है। रविवार को छुट्टी का दिन होने के कारण सोनोग्राफी नहीं होती है। अगर किसी मरीज को 2ः00 बजे के बाद अति आवश्यक है तो मरीज से बोल दिया जाता है कि आप सोनोग्राफी कहीं से भी करवा लीजिए, इलाज हम यहां अस्पताल में कर देंगे। बाहर प्राइवेट से सोनोग्राफी करवाने के 800 रुपए लगते हैं, अगर करेली सिविल अस्पताल में सोनोग्राफी स्पेशलिस्ट आ जाए तो 24 घंटे सेवा उपलब्ध हो जाएगी। करेली अस्पताल के मेडिकल ऑफिसर शिवेंद्र झरिया का ट्रांसफर केरपानी हो गया है।

हिन्दु परम्परा का महापर्व होलिका दहन से रंग पंचमी तक मनाया जाएगा

नवभारत,तेंदूखेड़ा। हिन्दु परम्परा का महापर्व प्रेम और आपसी सद्भाव का त्यौहार बसन्तोत्सव रंगों का त्यौहार होलिका दहन से रंग पंचमी तक मनाया जाता है। हमारी सनातन परम्परा के अनुसार हिन्दुओं की आस्था परस्पर सौहार्द एवं प्रेम का यह त्यौहार होलिका दहन से प्रारम्भ होता है। प्रतिवर्ष होलिका दहन फाल्गुन माह के शुक्ल पक्ष की पूर्णिमा की रात्रि को किया जाता है।

होली की अग्नि में हम काम क्रोध लोभ मोह मद और ईर्ष्या आदि दुर्गुणों का दहन करके परस्पर प्रेम और सद्भाव के रंगों से इस पर्व को आनंद पूर्वक मनाते हैं। ज्योतिष रत्न ज्योतिष शिरोमणि आचार्य प्रमोद पचौरी ने बताया कि इस वर्ष पूर्णिमा तिथि 3 मार्च मंगलवार को सूर्यास्त के पहले ही समाप्त हो जायेगी ।2 मार्च सोमवार को चतुर्दशी के उपरांत पूर्णिमा तिथि में होलिका दहन किया जायेगा। पूर्णिमा के प्रारम्भ होते ही भद्रा प्रारम्भ हो जाती है। हमारे धर्म

शास्त्रों में वर्णन है कि भद्रा काल में श्रावणी रक्षाबंधन और फाल्गुनी होलिका दहन नहीं करना चाहिए। लेकिन सूर्यास्त से लेकर मध्य रात्रि के बाद तक भद्रा हो और दूसरे दिन प्रदोष व्यापिनी पूर्णिमा न मिलने पर भद्रा के मुख का त्याग करके भद्रा पुच्छ काल में होलिका दहन करना चाहिए ।इसी दिन व्रत की पूर्णिमा भी रहेगी ।धुरेडी फगुआ सवर्ण स्पर्श परस्पर रंग गुलाल के साथ बसन्त ऋतु के शुभागमन पर यह रंगोत्सव का त्योहार रंग पंचमी तक मनाया जाता है ।इस वर्ष रंग पंचमी 8 मार्च रविवार को मनाई जाएगी। त्वचा को नुकसानदेह केमिकल युक्त रंग गुलाल के प्रयोग से बचकर सामाजिक एकता आपसी प्रेम सद्भाव सहयोग के साथ इस त्योहार को मनाना चाहिए। फाल्गुन शुक्ल पक्ष पूर्णिमा मंगल वार 3 मार्च 2026को भारत में ग्रस्तोदित खण्डग्रास चंद्रग्रहण होगा। विदेशों में खग्रास चंद्र ग्रहण होगा ।भारत के पश्चिमी क्षेत्रों में जहां चन्द्रोदय 6.48 बजे के बाद होगा वहां ग्रहण दिखाई नहीं देगा। ग्रहण का स्पर्श दिन में 3 बजकर 20 मिनिट पर और मोक्ष शाम 6 बजकर 48 मिनिट पर होगा। ग्रहण के स्पर्श से 9 घंटे पूर्व सुबह 6.20 बजे से सूतक प्रारम्भ हो जायेगा ।बालक वृद्ध और रोगियों को एक पहर पहले दोपहर 12.20 बजे से सूतक मानना चाहिए ।यह ग्रहण पूर्वा फाल्गुनी नक्षत्र और सिंह राशि पर होगा। मेषादि राशियों पर ग्रहण का फल इस प्रकार रहेगा ।मेषराशि-चिंता वृष राशि - व्यथा मिथुनराशि - श्री लाभ कर्कराशि-क्षति सिंहराशि-घात कष्टप्राप्ति कन्या मानहानि मकरराशि -मृत्यु तुल्यकष्ट कुंभराशि-स्त्री पीड़ा मीन राशि-सौख्य लाभ।

शंकराचार्य के विरुद्ध साजिश के विरोध में मौन आक्रोश, सड़कों पर उतरे हजारों भक्त

क्या षड़यंत्र के घेरे में शंकराचार्य, झोतेश्वर में विलासिता के आरोपों की खुली पोल

नवभारत, गोटेगांव। ज्योतिष्पीठाधीश्वर शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती के विरुद्ध उत्तर प्रदेश में दर्ज किए गए मुकदमों और उन पर लगाए गए विलासिता के आरोपों ने समूचे नरसिंहपुर जिले में भारी आक्रोश पैदा कर दिया है। एक ओर जहां गोटेगांव की सड़कों पर हजारों भक्तों ने मौन रहकर अपनी शक्ति का प्रदर्शन किया, वहीं दूसरी ओर झोतेश्वर स्थित उनके निवास त्रिपुरालय की सादगी ने उन पर लगे आलीशान सुख-सुविधाओं के दावों को पूरी तरह ध्वस्त कर दिया है। नगर में बोर्ड परीक्षाओं की संवेदनशीलता को देखते हुए प्रशासन ने विरोध प्रदर्शन के लिए लाउडस्पीकर की अनुमति नहीं दी थी। ऐसे में गुरु भक्तों ने मौन रहकर अपना विरोध दर्ज कराने का निर्णय लिया। श्री देव ठाकुर बाबा मंदिर परिसर से शुरू हुआ यह विशाल मौन जुलूस मुख्य बाजार, स्टेशन

रोड और रिपटा होते हुए श्री ब्रह्मचारी राम मंदिर पहुँचा। जुलूस में शामिल भक्तों की आँखों में आक्रोश साफ दिखाई दे रहा था। इस प्रदर्शन की सबसे बड़ी उपलब्धि यह रही कि इसमें किसी एक विचारधारा के नहीं, बल्कि सभी राजनीतिक दलों और समाज के हर वर्ग के लोग शंकराचार्य के सम्मान में एक साथ नजर आए। ब्रह्मचारी अचलानंद महाराज और भक्त मंडली ने स्पष्ट किया कि प्रयागराज के झूंसी थाने में स्वामी जी के खिलाफ पॉक्सो एक्ट और अन्य गंभीर धाराओं में दर्ज मुकदमा पूरी तरह राजनीति से प्रेरित और तथ्यहीन है। भक्तों का आरोप है कि जनवरी 2026 में माघ मेले के दौरान संगम स्नान से रोकने और पुलिस द्वारा की गई अभद्रता के विरोध में जब शंकराचार्य ने 11 दिनों तक धरना दिया, तभी से प्रशासन उनके पीछे पड़ा है। यह एफआईआर उसी विवाद का बदला लेने का एक तरीका है।

आश्रम की हकीकत- विलासिता

हाल ही में मीडिया और सोशल मीडिया पर यह दावा किया गया था कि शंकराचार्य के पास पांच मंजिला शीश महल और स्विमिंग पूल जैसी लग्जरी सुविधाएं हैं। लेकिन जब झोतेश्वर के परमहंसी गंगा आश्रम स्थित त्रिपुरालय की प ?ताल की गई, तो वहां केवल एक साधारण दो मंजिला भवन मिला। निचले तल पर श्रद्धालुओं के बैठने की जगह है और ऊपरी मंजिल पर स्वामी जी के विश्राम के लिए एक सामान्य कक्ष बना है। यहां किसी भी प्रकार की लग्जरी सुविधा या आलीशान विलासिता का कोई प्रमाण नहीं मिला। आश्रम के संस्कृत विद्यालय के छात्रों ने भी इन आरोपों को उनके गुरु की छवि धूमिल करने वाला बताया।

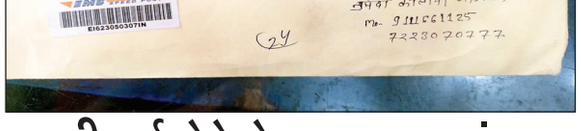

आरटीआई लेने से इनकार ग्राम पंचायत पुआरिया में पारदर्शिता पर ताला

नवभारत,गाडरवारा। तहसील गाडरवारा की ग्राम पंचायत पुआरिया में लोकतंत्र और पारदर्शिता पर गंभीर सवाल खड़े हो गए हैं। सूचना का अधिकार (RTI) के तहत जानकारी मांगने पहुंचे आवेदक को पंचायत द्वारा आवेदन लेने से साफ इनकार कर दिया गया। इतना ही नहीं, ग्रामीणों का आरोप है कि पंचायत भवन अधिकांश समय बंद रहता है, जिससे आम जनता अपने ही अधिकारों के लिए दर-दर भटकने को मजबूर है।

बड़ा सवाल: क्या पंचायत में सूचना छिपाने की कोशिश हो रही है। पंचायत भवन बंद रखकर किस बात से बचा जा रहा है। क्या जिम्मेदार अधिकारियों को RTI कानून की जानकारी नहीं सूचना का अधिकार अधिनियम 2005 के तहत RTI आवेदन लेना अनिवार्य है। आवेदन लेने से इनकार करना कानून का उल्लंघन है और संबंधित अधिकारी पर प्रतिदिन ?250 (अधिकतम ?25,000) तक का जुर्माना लग सकता है। ग्रामीणों में नाराज़गी ग्रामीणों का कहना है कि विकास कार्यों, खर्च और योजनाओं की जानकारी पाने के लिए ॠज्ञ्ठ ही एक माध्यम है। यदि वही बंद कर दिया जाए तो पारदर्शिता कैसे सुनिश्चित होगी।